



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 581] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 1, 1989/कार्तिक 10, 1911
No. 581] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 1, 1989/KARTIKA 10. 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 नवंबर, 1989

सं 190/89-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

(ii) निम्नलिखित परन्तुका अंत में अन्तर्स्थापित किया जाएगा
अर्थात्:—

“परन्तु जहाँ उक्त माल का प्रयोग उस कारखाने से जहाँ उक्त माल
का विनिर्माण किया गया है, उसके विनिर्माण के निर्यात के रखाने में किया
जाता है, वहाँ इस अधिसूचना में अन्तर्बिष्ट छूट उक्त नियमों के अध्याय
10 में वर्णित प्रक्रिया में अनुपातित करने के अधीन होगी।

[फा सं 322/55/89-लेप्रारख]

सा.क्रा.नि 952(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और
नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर
कि लाकड़ों में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 201/87-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख
1 नवंबर 1987 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(1) “उत्पादों के कारखाने” शब्दों के स्थान पर “उत्प्रेषण के निमित्त
किसी अन्य कारखाने” शब्द अन्तर्स्थापित किए जाएंगे,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st November, 1989

NO. 190/89—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 952 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-
section (1) of section 5 A of the Central Excises and Salt Act,
1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that
it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the
following amendments in the notification of the Government

of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue)
No. 201/97-Central Excises, dated the 3rd September 1987.
namely:—

In the said notification,—

(i) after the words “used within the factory of production”,
the words “or in any other factory of the same manu-
facturer” shall be inserted;

(ii) the following proviso shall be inserted at the end,
namely :—

“Provided that where the said goods are used in a factory
of a manufacturer, different from his factory where the said
goods have been manufactured, the exemption contained in this
notification shall be allowable subject to the observance of the
procedure set out in Chapter X of the said rules.”

[F.No.332/55/89-TRU]

सं. 264/89-सीमा शुल्क

सा. का.नि. 953(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम,
1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में
ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)
की अधिसूचना सं. 8/89-सीमा-शुल्क, तारीख 16 जनवरी, 1989 में
निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में, शर्त (क) में “जो औद्योगिक सलाहकार की
पंक्ति से नीचे का न हो” शब्दों के स्थान पर, “जो अपर औद्योगिक सलाह-
कार की पंक्ति से नीचे का न हो” शब्द रखे जाएंगे।

[फा.सं. 346/151/89-टी आर यू]

No. 264/89—CUSTOMS

G.S.R. 953 (E):—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of
1962) the Central Government, being satisfied that it is neces-
sary in the public interest so to do, hereby makes the following
amendment in the notification of the Government of India in
the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 8/89-
Customs, dated the 16th January, 1989.

In the said notification, in the condition (a) for the words
“not below the rank of an Industrial Adviser”, the words “not
below the rank of an Additional Industrial Adviser” shall be
substituted.

[F.No. 346/151/89-TRU]

सं. 265/89-सीमा शुल्क

सा. का. नि. 954(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम,
1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-
हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व
विभाग) की अधिसूचना संख्या 333/88-सीमाशुल्क, तारीख 31 दिसंबर,
1988 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, प्रारंभिक प्रभाग में, “और उसके संवदकों” शब्दों
का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 346/145/89-टीआरयू]

No. 265/89—CUSTOMS

G.S.R. 954 (F):—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of
1962), the Central Government, being satisfied that it is neces-
sary in the public interest so to do, hereby makes the following
further amendment in the notification of the Government of
India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.
333/88—customs, dated the 31st December, 1988, namely:—

In the said notification, in the opening portion, the words
“and component parts of such goods”, shall be omitted.

[F.No. 345/145/89-TRU]

सं. 266/89-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 955(अ).—केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क अधिनियम 1962
(1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना
आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधि-
सूचना सं. 213/89-सीमा शुल्क, तारीख 1 अगस्त 1989 में निम्न-
लिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के प्रारंभिक पैरा में, “अन्तरिक्ष विभाग या परमाणु
ऊर्जा विभाग” शब्दों के स्थान पर, “अन्तरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग
या रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 346/19/89-टीआरयू]

No. 266/89—CUSTOMS

G.S.R. 955 (E):—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of
1962), the Central Government, being satisfied that it is neces-
sary in the public interest so to do, hereby makes the following
amendment in the notification of the Government of India
in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 213/89-
Customs, dated the 1st August, 1989, namely:—

In the opening paragraph of the said notification, for the
words “Department of Space or the Department of Atomic
Energy”, the words, “Department of Space, the Department
of Atomic Energy or the Department of Defence Research
and Development” shall be substituted.

[F.No. 346/19/89-TRU]

सं. 267/89-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 956(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962
(1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में
ऐसा करना आवश्यक है, इससे उपायद्वय मार्गों में विनिर्दिष्ट और सीमाशुल्क
टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) को पढ़ते प्रासूची के
अंतर्गत आने वाले माल को, जब उसका भारत में चमड़ा उद्योग में उपयोग
के लिए आयात किया जाए तो,—

। (क) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-
शुल्क के उतने भाग से छूट देती है, जितना मूल्य के 40
प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है; और

। (ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन
उस पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से छूट देती है,

ऐसा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए किया जाएगा, अर्थात्—

- (i) आयातकर्ता भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित चमड़ा निर्यात परिषद द्वारा जारी किया गया विधिसाम्य रजिस्ट्रीकरण व सदस्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करे;
- (ii) आयातकर्ता इस आशय का सक्षम प्रस्तुत करे कि वह वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) है;
- (iii) आयातकर्ता, सहायक सीमाशुल्क कलक्टर को आयात करने के संबंध में इस आशय का बचनबंद करे कि—
- (क) उक्त माल का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा; और
- (ख) वह उक्त (क) की अपेक्षा का अनुपालन न करने की दशा में, मांग किए जाने पर उक्त माल के ऐसे परिमाण पर उद्ग्रहणीय शुल्क, यदि इसमें अन्तर्विष्ट छूट न होती तो, और जो आयात के समय पहले ही संदत्त किया जा चुका है, के बीच के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

सारणी

क्र.सं.	माल का वर्णन
(1)	(2)
1.	पेनीट्रेटर्स
2.	पत्तियों में स्टम्प लगाने वाली पत्ती जिसकी चौड़ाई 6" से अधिक न हो।
3.	आइनेट्स, हुक, रिंग, चुम्बकीय ताले/बटन, पशु बिन, धातु के हथियार, टर्न-की बटन, को चैन होल्डर, कॉर्नर, पुनर फॉलो कैप, कनेक्शन धातु के रिबेट, हेडिंग परिप्रासी, स्टड साकेट, सभी प्रकार के बटन, कब्जे, पुश बटन, बक्सुए धातु के फ्रेम, कोले और वाशर।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना में “वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक)” अभिव्यक्ति से ऐसा औद्योगिक उपक्रम अभिप्रेत है जो ऐसे चमड़े के माल के विनिर्माण में लगा हुआ है, जिसके लिए वह समुचित सरकारी प्राधिकारी से अनुज्ञप्ति या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारण करता है।

[फा. सं. 40/11/89-टी आरयू]

No. 267/89—CUSTOMS

G.S.R. 956 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the table hereto annexed and falling within the First

Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported in India for use in the leather industry, from:—

- (a) so much of the portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of forty per cent ad-valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the importer shall produce a valid registration-cum-membership certificate issued by the Council for Leather Exports sponsored by the Government of India in the Ministry of Commerce;
 - (ii) the importer shall produce evidence to the effect that he is an actual user (industrial);
 - (iii) the importer furnishes an undertaking to the Assistant Collector of Customs, at the time of importation, to the effect that:—
 - (a) the said goods shall be used for the purpose specified above; and
 - (b) he shall, pay on demand, in the event of his failure to comply with the requirement of (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

TABLE

Sl. No.	Description of goods
(1)	(2)
1.	Penetrators
2.	Stamping foil in strips of width not exceeding 6 inches.
3.	Eyelets books, rings, magnetic locks/buttons, push clips, metal handle, turn-key button, key chain holder, corners puller, fancy caps, clamps decorative rivets, handle holders, studs, sockets, buttons all sorts, hinges, push buttons, buckles, metal frames, tacks and washers.

Explanation:—In this notification, the expression “actual user (industrial)” means an industrial undertaking, which is engaged in the manufacture of leather goods for which it holds a licence or registration certificate from the appropriate Government authority.

[F.No. 346/11/89 TRU]

सं 268/89-सीमाशुल्क

No. 268/89—CUSTOMS

सा. का.नि. 957(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1989 (1989 का 13) की धारा 35 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 161/89-सीमाशुल्क तारीख 12 मई, 1989 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 98 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी। अर्थात् :—

“99 सं. 267-सीमाशुल्क, तारीख, 1 नवंबर 1989।”।

[फा. सं. 346/11/89-टी आर यू]
(आर० के० महाजन, अवर सचिव)

G.S.R. 957 (E). In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 161/89—Customs, dated the 12th May, 1989, namely:—

In the said notification, after Sl. No. 90 and the entries relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted namely:—

“99 No. 267 Customs, dated the 1st November, 1989.”.

[F.No. 346/11/89—TRU]
R.K. MAHAJAN, Under Secy.